भारत का राष्ट्रीय आन्दोलन

पा.सं.	अध्याय शीर्षक	कौशल	क्रियाकलाप
8	भारत का राष्ट्रीय आन्दोलन: राष्ट्रवाद का उदय	आत्म बोध, समलोचनात्मक सोच, समस्या समाधान, परानुभूति	स्वतंत्रता सेनानियों के विषय में अधिक अध्ययन करके उनके योगदान को समझना तथा उसको सूचीवद्ध करना

अर्थ

उपनिवेश विरोधी आंदोलन ने ही राष्ट्रवाद की भावना को जन्म दिया। 1885 में भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस की स्थापना से एक सशक्त राष्ट्रीय आंदोलन का विकास हुआ जिसने बंगाल विभाजन, असहयोग आंदोलन, सविनय अवज्ञा आंदोलन तथा अंत में भारत छोड़ो आंदोलन देखा तथा इसका नतीजा भारत की स्वतंत्रता तथा इसका विभाजन था।

गरम दल का उदय

- लाला लाजपत राय, बाल गंगाधर तिलक तथा विपिन चन्द्र पाल (लाल-बाल-पाल) ने भारतीय स्वतंत्रता संघर्ष में एक नई प्रवृति और एक नये चेहरे को चिह्नित किया
- श्रीमती ऐनी बेसेंट के प्रयासो के कारण 1916 में नरम दल तथा गरम दल में एकता हुई।
- 1916 में मुस्लिम लीग तथा कांग्रेस ने लखनऊ समझौते पर हस्ताक्षर किए।
- 1909 में मॉर्ले-मिंटो सुधारों ने 1892 के सुधारों को ही आगे बढ़ाया।

भारतीयों को शांत करने हेतु 1919 में माण्टेग्यू-चेम्सफोर्ड सुधार लाए गए जिसने दोहरे शासन का प्रस्ताव रखा जो एक प्रकार से राज्यों में दोहरी सरकार बनाने का प्रस्ताव था।

- 13 अप्रैल 1919 को बैसाखी मेले के अवसर पर जलियांवाला बाग (अमृतसर) में एक ब्रिटिश अधिकारी जनरल डायर ने मशीन गनों द्वारा भीड़ पर गोलियां चलाने का सेना को हुक्म दिया। चंद मिन्टों में लगभग एक हज़ार व्यक्ति मारे गए। इस जनसंहार ने भारतीयों के मन में आक्रोश भर दिया।

बंगाल का विभाजन

1905 में कर्जन द्वारा बंगाल के विभाजन की घोषणा की गई जो बंगाल में बढ़ रहे राष्ट्रवादी आन्दोलन को कमज़ोर करने के लिए किया गया तथा इस क्षेत्र के हिन्दु तथा मुस्लिम समुदायों को बांटने के लिए किया गया।

गांधी जी का उदय

- मोहनदास कर्म चंद गांधी के सत्याग्रह का पहला प्रयोग 1917 में बिहार के चम्पारण में हुआ जब उन्होने किसानों को शोषणकारी बागान खेती व्यवस्था के खिलाफ प्रेरित किया।
- 1919 में रोलेट एकट के खिलाफ एक राष्ट्रव्यापी सत्याग्रह प्रारम्भ किया गया।
- **1927 में साईमन कमीश्न** भारत में संवैधानिक सुधारों के तरीकों पर सुझाव देने आया
- गांधी जी 1913 में लंदन गए तथा दूसरी गोलमेज़ कांफ्रेस में भाग लिया परन्तु खाली हाथ लौटे।
- यद्यपि सविनय अवज्ञा आंदोलन असफल रहा, परन्तु यह राष्ट्रीय संघर्ष में एक आवश्यक चरण था।

क्रांतिकारी

- अंग्रेजों की प्रतिक्रियात्मक नीति ने भारत की युवा पीढ़ी के बीच एक गहरी घृणा पैदा कर दी थी।
- अंग्रेजों के खिलाफ युवाओं को हिंसा के उग्र तरीकों से प्रशिक्षित किया गया।

समाजवादी विचारों का विकास

- 20वीं सदी का महत्वपूर्ण लक्षण था समाजवादी विचारों का विकास।
- 1920 में स्थापित अखिल भारतीय व्यापार संघ कांग्रेस ने पूर्ण स्वतंत्रता के लिए लोगों को प्रेरित किया।
- गांधी जी से मतभेद के कारण बोस ने कांग्रस से इस्तीफा दिया तथा अपना अलग से फारवर्ड ब्लाक बनाया।

सांप्रदायिक विभाजन

- 1935 के अधिनियम के तहत 17 चुनाव मंडल बनाए गए जिसने राष्ट्रीय एकता की राह में रूकावट डाली।
- 1937 के चुनाव के बाद कांग्रेस द्वारा मिली जुली सरकार बनाने से इन्कार करना पाकिस्तान की मांग उठने का तत्कालिक कारण बन गया

भारत छोड़ो आंदोलन और उसके बाद

- कांग्रेस प्रतिनिधियों को संबोधित करते हुए 8 अगस्त की रात को गांधी जी ने आत्मा को झकझोरने वाले अपने भाषण में कहा, "मैं आजादी जल्द चाहता हूँ और इसका मंत्र है करो या मरो"
- भारत छोड़ो आंदोलन सबसे महत्वपूर्ण ऐतिहासिक आंदोलन बन गया
- भारत की समस्या का सर्वमान्य समाधान ढूंढने के उद्देश्य से 1946 में केबिनेट मिशन भारत आया

भारत की आज़ादी और विभाजन

- 1946 के मध्य लीग ने केबिनेट मिशन योजना को अस्वीकार कर दिया।
- सितंबर 1946 में कांग्रेस ने केन्द्र में सरकार बनाई
- भारत के विभिन्न भागों में साम्प्रदायिक दंगे भड़क उठे
- लार्ड माउंट बेटेन को वायसराय बना कर भारत भेजा गया। जून 1947 में उसने अपनी योजना रखी जिसमें भारत का विभाजन निहित था।
- गांधी जी के विरोध के बावजूद सभी पार्टियों ने विभाजन स्वीकार कर लिया तथा भारत स्वतंत्रता अधिनियम 1947 अस्तित्व में आया।
- इसने भारतीय उपमहाद्वीप में दो स्वतंत्र राष्ट्र स्थापित किए: भारतीय संघ तथा पाकिस्तान। भारत को आज़ादी 15 अगस्त 1947 को मिली
- 14-15 अगस्त की ठीक आधी रात को सत्ता का हस्तांतरण हुआ

स्वयं का मूल्यांकन कीजिए

प्र. ऐसे कारणों को पहचानिए जिनसे भारत में राष्ट्रवाद उभरा?

प्र. 19वीं सदी के दौरान भारत में हुए विभिन्न राष्ट्रीय आंदोलनो की चर्चा कीजिए।

प्र. भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के प्रमुख नेताओं के नाम लिखिए।